BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
www.bordernewsmirror.com
Monday
26-02-2024
www.bordernewsmirror.com
Only bilingual Newspaper

शाहिद-कृति की फिल्म लेकर आई सुनामी

फिल्म 'तेरी बातों में ऐसे उलझा जिया' ने बॉक्स ऑफिस पर इस वक्त ऐसी धाक जमाई है, जिसकी वजह से 'फाइटर' को कमाई करने का कोई मौका नहीं मिल रहा है।

-8

मेहंदी सेरेमनी में जमकर नाचीं दिव्या अग्रवाल

पिछले दो दिन से इस कपल के प्री-वेडिंग फंक्शन हो रहे हैं, जिसकी तस्वीरें और वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। र

-8

जैकलीन फर्नांडीज को फिर मिला सुकेश का लव लेटर

सुकेश चंद्रशेखर एक्ट्रेस जैकलीन को अपनी गर्लफ्रेंड का नाम देते रहे हैं और आए दिन एक्ट्रेस को लव लेटर भी लिखते नजर आए हैं।

-8

तीन पुलिसकर्मी को कोर्ट में हाजिर होने आदेश

न्यायिक अभिलेख में छेड़छाड़ करने के मामले को न्यायालय ने गम्भीरता से लिया है। तीन पुलिस पदाधिकारियों के विरुद्ध न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी की है।

-3

-5

BRIEFLY

राहुल-अखिलेश के साथ आने से यूपी में भाजपा पर नहीं होगा कोई असर - सुशील

पटना। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने रविवार को कहा कि जिस उत्तरप्रदेश ने कांग्रेस को पंडित जवाहर लाल नेहरू से राजीव गांधी तक चार प्रधानमंत्री दिये, उस प्रदेश में वह आज अपने बल पर एक भी सीट जीतने लायक नहीं रही और मात्र 17 संसदीय सीटों के लिए उसे सपा से समझौता करना पड़ रहा है। श्री मोदी ने बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल में भी इंडी गठबंधन तार-तार हो चुका है, उसमें यूपी-बिहार के दो लड़के (अखिलेश-तेजस्वी) पैबंद लगाने की कोशिश कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी और अखिलेश यादव के फिर से हाथ मिलाने का कोई असर नहीं होगा । 2017 के विधान सभा चुनाव में दोनों लड़के हाथ मिलाकर देख चुके हैं। उस समय सपा 224 से घट कर 47 और कांग्रेस 29 से घटकर मात्र 07 सीट पर आ गई थी। 2019 का संसदीय चुनाव जब सपा ने कांग्रेस को छोड़कर बसपा के साथ मिल कर लड़ा, तब सपा केवल 5 सीट जीत पायी। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में भाजपा के विरुद्ध कोई भी गठबंधन काम नहीं आएगा । पड़ोसी राज्य में कांग्रेस, सपा और बसपा अपना-अपना अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि यूपी में जयंत चौधरी और बिहार में नीतीश कुमार का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होना इंडी गठबंधन के लिए ऐसा झटका, जिससे उबरना सम्भव नहीं।

Trending News

विश्व वन्य जीव दिवस की थीम में डिजिटल इनोवेशन: मोदी

बीएनएम@

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि इंसान और बाघों के संघर्ष को कम करने के लिए अब प्रौद्योगिकी की मदद ली जा रही है और इस वर्ष तीन मार्च को मनाये जाने वाले 'विश्व वन्य जीव दिवस' की थीम में डिजिटल इनोवेशन को सर्वोपरि रखा गया है। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' के 110वें संस्करण में कहा कि आज सबके जीवन में टेक्नोलॉजी का महत्व बहुत बढ़ गया है। मोबाइल फोन, डिजिटल गैजेट सबकी ज़िन्दगी का अहम हिस्सा बन गए हैं और अब डिजिटल गैजेट की मदद से वन्य जीवों के साथ तालमेल बिठाने में भी मदद मिल रही है। कुछ दिन बाद, तीन मार्च को 'विश्व वन्य जीव दिवस' है। इस दिन को वन्य जीवों के संरक्षण के प्रति जागरुकता फ़ैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, "हमारे देश के अलग-अलग हिस्सों में वन्य-जीवों के संरक्षण के लिए टेक्नोलॉजी का खूब उपयोग हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार के प्रयासों से देश में बाघों की संख्या बढ़ी है। महाराष्ट्र के चंद्रपुर के टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या ढ़ाई सौ से ज्यादा हो गयी है। चंद्रपुर जिले में इंसान और बाघों के संघर्ष को कम करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद ली जा रही है।

मैं विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करके आया हूं: मोदी

बीएनएम@देवभूमि द्वारका

देवभूमि द्वारका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि वह समुद्र द्वारका के दर्शन से विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करके आये हैं। श्री मोदी ने आज यहां गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के शुभारंभ अवसर पर कहा," मन करता था, कभी न कभी समुद्र के भीतर जाऊंगा और उस द्वारका नगरी के जो भी अवशेष हैं, उसे छूकर के श्रद्धाभाव से नमन करूंगा। मैं, मेरा मन बहुत गदगद है, मैं भाव-विभोर हूं। दशकों तक जो सपना संजोया हो और उसे आज उस पवित्र भूमि को स्पर्श कर करके पूरा हुआ हो, आप कल्पना कर सकते हैं मेरे भीतर कितना अभूत आनंद होगा। आज यहां देर से आने की वजह का कारण यह था कि मैं समंदर के अंदर काफी देर रुका रहा। मैं समुद्र द्वारका के उस दर्शन से विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करके आया हूँ।" प्रधानमंत्री ने इससे पहले कहा," सबसे पहले तो माता स्वरूपा मेरी अहीर बहनों जिन्होंने मेरा स्वागत किया, उनका मैं श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूँ और आदरपूर्वक आभार व्यक्त करता हूँ। थोड़े दिन पहले सोशल मीडिया में एक वीडियो बहुत वायरल हुआ था। द्वारका में 37000 अहीर बहनें एक साथ गरबा कर रही थी, तो लोग मुझे बहुत गर्व से कह रहे थे कि साहब यह द्वारका में 37000 अहीर बहने! मैंने कहा भाई आपको गरबा दिखाई दिया, लेकिन वहां की एक और विशेषता यह थी कि 37000 अहीर बहनें जब वहां पर गरबा कर रही थी ना, तब वहां पर कम से कम 25000 किलो सोना उनके शरीर पर था।

बसपा सांसद रितेश पाण्डेय भाजपा में शामिल

बीएनएम@नयी दिल्ली

नयी दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से उत्तर प्रदेश की अम्बेडकर नगर लोकसभा सीट से सांसद रितेश पांडेय आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए । भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा, राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, उत्तर प्रदेश के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, राज्य के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह-प्रमुख डॉ संजय मयूख की उपस्थिति में श्री पाण्डेय ने भाजपा की विधिवत सदस्यता ग्रहण की। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री पाठक ने श्री पांडेय का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि श्री रितेश पांडेय जी सामाजिक कार्यकर्ता हैं, वे लगातार जनसेवा में लगे रहते हैं। इनके पिता जी भी अम्बेडकर नगर से विधायक हैं और वे पहले यहाँ से सांसद भी रह चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने "सबका साथ-सबका विकास" के साथ विकसित भारत की संकल्पना रखी है। आज उनके नेतृत्व में योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में उत्तर प्रदेश का चतुरंगी विकास हो रहा है।

1195 करोड़ रुपये से निर्मित गुजरात के पहले एम्स का किया लोकार्पण

बीएनएम@राजकोट

राजकोट। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के राजकोट जिले में 1195 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित गुजरात के पहले ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (एम्स) का रविवार को लोकार्पण किया। श्री मोदी ने इसके बाद एम्स में आईपीडी का निरीक्षण किया तथा यहां उपलब्ध विभिन्न चिकित्सा उपचार सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को देखा और उनके विषय में जानकारी प्राप्त की और एम्स अस्पताल के भविष्य के विकास की ब्लूप्रिंट समान मॉडल एवं गुजरात की विविधतापूर्ण संस्कृति और भारत की प्राचीन चिकित्सा परंपरा से लेकर जेनेटिक टेक्नोलॉजी तक की यात्रा की झांकी कराने वाली टेपेस्ट्री का निरीक्षण किया। इसके साथ ही, उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों, ऑपरेशन थियेटर एवं आईपीडी का दौरा कर विभिन्न व्यवस्थाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया। एम्स के कार्यपालक निदेशक डॉ. सी. डी. एस. कटोच ने उन्हें एम्स के विभिन्न विभागों के बारे में जानकारी दी। राजकोट शहर के सीमावर्ती खंढेरी गांव में 201 एकड़ जैसे विशाल क्षेत्र में 1195 करोड़ रुपए की लागत से इस एम्स का निर्माण किया गया है जिसमें मरीजों को बिलकुल मामूली खर्च पर मल्टी-स्पेशलिटी उपचार मिलेगा।

नीतीश ने 3,420 करोड़ रुपये की 1,094 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

बीएनएम@पटना

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को जल संसाधन विभाग के 3,420.60 करोड़ रुपये की लागत की 1,094 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। श्री कुमार ने एक अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में रिमोट के जरिए 1,475.17 करोड़ रुपये की 701 योजनाओं का लोकार्पण तथा 1945.43 करोड़ रुपये की 393 योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में मधुबनी एवं दरभंगा जिले में कमला बलान बायाँ तटबंध एवं दायें तटबंध के 80 किलोमीटर की लंबाई में कुल 325.12 करोड़ रुपये की लागत से बाँध का उच्चीकरण, सुदृढीकरण एवं पक्कीकरण का कार्य शामिल है। साथ ही समस्तीपुर जिले में बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना फेज-III (B) के तहत सिरनिया-फुहिया तटबंध के 70.793 किलोमीटर पर 38.26 करोड़ रुपये की लागत से 12 वेंट के एण्टी फ्लड स्लूईस का निर्माण कार्य एवं शिवहर जिले में बागमती बाढ़ प्रबंधन योजना फेज-IV (A) के तहत ग्राम बेलवा के नजदीक 79.94 करोड़ रुपये की लागत से 50 हजार क्यूसेक के हेड रेगुलेटर का निर्माण कार्य शामिल है।

पीएम मोदी ने पूर्णिया मेडिकल कॉलेज एवं रेलवे ओवर ब्रिज का वर्चुअल उद्घाटन किया

पूर्णिया। रविवार का दिन बिहार के सीमांचल व कोसी में आने वाले सात जिलों के करोड़ों की आबादी के लिए खास रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को बड़ी सौगात दी। पूर्णिया में बने मेडिकल कॉलेज अस्पताल का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन उद्घाटन किया। इस दौरान सीएम नीतीश कुमार भी ऑनलाइन मौजूद थे। इस अवसर पर सांसद संतोष कुशवाहा ने कहा कि आज पूर्णिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा संयुक्त रूप से वर्चुअल माध्यम से किया जाना ऐतिहासिक रहा। पूर्णिया पहले से भी मेडिकल का हब है और आने वाले दिनों में स्वास्थ्य -सेवा के क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज अस्पताल मील का पत्थर साबित होगा। सीमांचल के लोगों को इसका फायदा मिलेगा। धमदाहा विधायक एवं पूर्व मंत्री लेसी सिंह, बनमनखी विधायक तथा पूर्व मंत्री कृष्ण कुमार ऋषि, रुपौली विधायक बीमा भारती, डिप्टी मेयर पल्लवी गुप्ता इत्यादि मौके पर मौजूद थी। यह वर्चुअल उद्घाटन पूर्णिया मेडिकल कॉलेज एवं बेलौरी के रेलवे ओवरब्रिज का किया जाना विकास के गति को नया आयाम देगा ऐसी बातें लगभग सभी जनप्रतिनिधियों ने कही।

NEWS IN BRIEF

अवैध बालू उठाव का विरोध करने पर बालू माफियाओं ने की गोलीबारी

गया। बिहार में गया शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में अवैध बालू उठाव का विरोध करने पर बालू माफियाओं ने गोलीबारी की जिसमें तीन लोग घायल हो गये पुलिस अधीक्षक : नगर :प्रेरणा कुमार ने रविवार को यहां बताया कि वारिस नगर मुहल्ले में बालू माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से बालू का उठाव किया जा रहा था, साथ ही बालू लदे ट्रैक्टर को इस मोहल्ले से काफी तेज गति से ले जाया जा रहा था, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। इसके बाद बालू माफियाओं के द्वारा गोलीबारी की गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए हैं, जिनका इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है।

बाइक की चपेट में आने से महिला की मौत

मोतिहारी। जिले के कोटवा थाना क्षेत्र के मछरगावा गांव में सड़क पार कर रही महिला को अज्ञात बाइक ने ठोकर मार दी,जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान मच्छगांवा गांव की वार्ड नम्बर 12 के निवासी मोहन यादव की 55 वर्षीय पत्नी शांति देवी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मच्छरगावा से मरघटिया बाजार की ओर जाने वाले रोड में वह महिला अपने घर से कुछ ही दूरी पर सड़क पार कर रही थी , इस बीच तेज गति से आये अज्ञात बाइक सवार ने महिला को टक्कर मार दी,जिससे वह सड़क पर ही गिरी और कुछ ही देर में दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद सब इंस्पेक्टर हरेश शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। वही महिला के घर पर चीख पुकार मची है।

जन विश्वास यात्रा: जन समर्थन से राजग नेता घबरा गए है - तेजस्वी

बीएनएम@समस्तीपुर

समस्तीपुर। पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा है कि जन विश्वास यात्रा में मिल रहे जन समर्थन से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता पूरी तरह घबरा गए हैं। श्री यादव जन विश्वास यात्रा के दौरान रविवार की देर शाम समस्तीपुर में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम रोजगार देने की बात करते थे तो राजग के नेता कहते थे कि यह असंभव है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन के 17 महीनों के कार्यकाल में हमने छह लाख बेरोजगारों को रोजगार दिया जिसमें सभी जाति और धर्मों के लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमने 10 लाख लोगों को रोजगार देने की चुनाव वादा किया था जिसे पूरा करने की कोशिश की। लेकिन बीच में ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पलटी मार कर भाजपा की गोद में जा बैठे। जन विश्वास यात्रा में मिल रहे जन समर्थन से भाजपा समेत राजग के नेता पूरी तरह घबरा गए है।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव का युवा कांग्रेस ने पुतला फूंका

बीएनएम@सहरसा

सहरसा। शहर के गंगाजल चौक पर युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव सुदीप कुमार सुमन के नेतृत्व में रविवार को शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव के के पाठक का पुतला दहन कर शिक्षकों से माफी मांगने की मांग की गई।पुतला दहन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा में सुधार का युवा कांग्रेस समर्थन करता है लेकिन शिक्षकों के प्रति असंसदीय भाषा के उपयोग का कड़ी निंदा करता है।वही शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक का तुगलकी फरमान नियम विरुद्ध है। समाज में शिक्षक का सम्मान होता है लेकिन सरकार के मुलाजिम के रवैया से बिहार के शिक्षक अपमानित हो रहे शिक्षक के प्रति गाली शब्द के उपयोग के लिए के के पाठक को सार्वजनिक माफ़ी मांगना होगा। सुदीप कुमार सुमन ने कहा कि के के पाठक अगर सच में शिक्षा के प्रति सुधारवादी सोच रखते है तो बिहार में अंग्रेजी विषय को अनिवार्य करें। पुतला दहन कार्यक्रम में एनएसयूआई के राष्ट्रीय संयोजक मनीष कुमार ने कहा कि के के पाठक और सरकार के मुखिया नीतीश कुमार दोनों का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। कोई सदन में तो कोई सचिवालय में असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर बिहार को शर्मसार कर रहा है।

पश्चिम चंपारण में आग लगने से दो घर जले

बीएनएम@बेतिया

बेतिया। साठी पंचायत अंतर्गत दुमदुमवा गांव वार्ड नंबर 15 में शनिवार की शाम अचानक आग लगने से आशानंद दास का फुसनुमा दो घर जलकर राख हो गया। ग्रामीण सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आग जैसे ही लगी हवा चलने लगी और तेज आग के लपेटे ने भयावह रुप धारण कर लिया। ग्रामीणों द्वारा घटना की सूचना पंचायत के मुखिया मीरा देवी को दी गई। मुखिया ने इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन को दी। अग्निशमन गाड़ी के पहुंचने पर ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। तब तक गरीब परिवार का आशियाना जल कर राख हो गया। मुखिया पति वीरेंद्र उपाध्याय ने बताया कि आशानंद दास मजदूरी करने बाहर गए हैं। घर में मुस्मात मां और पत्नी तथा छोटे-छोटे बच्चे हैं। जो अब वृक्ष के नीचे रहने को विवश है।

तीन पुलिसकर्मी को कोर्ट में हाजिर होने आदेश

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। न्यायिक अभिलेख में छेड़छाड़ करने के मामले को न्यायालय ने गम्भीरता से लिया है। मामले में अभिलेख से जुड़े तीन पुलिस पदाधिकारियों के विरुद्ध न्यायालय ने संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी कर न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश दिया है। इस मामले में व्यवहार न्यायालय के अधिवक्ता नवीन कुमार सिंह ने मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में परिवाद पत्र संख्या 2059/22 दाखिल करते हुए तत्कालीन पुलिस चकिया सर्किल इंस्पेक्टर सुधाकर नाथ, पिपरा के तत्कालीन थानाध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद एवं पीपरा थाना काण्ड संख्या 250/14 के अनुसंधानकर्ता हरिशंकर प्रसाद सहित अन्य के विरुद्ध आरोप लगाया कि परिवादी एक मुकदमा पीपरा थाना में दाखिल किया। इसमें तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने मामले का अनुसंधान कर काण्ड में धारा 307 भादवि सहित अन्य धाराओं में कांड सत्य पाते हुए चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया था। निर्देश के आलोक में अनुसंधानकर्ता हरिशंकर प्रसाद ने भादवि की धारा 307 सहित अन्य धाराओं में चार्जशीट दाखिल किया। परंतु जनवरी 2016 में आरोपी एक राय में होकर न्ययालय के जीआर कार्यालय आये एवं आफिस से अभिलेख लेकर केश डायरी एवं चार्जशीट में वाईटनर से 307 भादवि सहित संगीन धाराओं को मिटा दिया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने मामले को दर्ज कर अधिनस्थ न्यायालय में जांच के लिए भेज दिया । न्यायिक दंडाधिकारी नंदनी सुमन ने अभिलेख पर उपलब्ध सबूतों एवं साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपी के विरुद्ध संज्ञान लेते हुए न्यायालय में हाजिर होने का आदेश दिया है।

ठुमरी महोत्सव का हुआ आयोजन

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। नगर के राजेंद्र नगर भवन के प्रशाल में पं.छोटेलाल मिश्र संगीत कला महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर शनिवार को "ठुमरी महोत्सव" का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सह उद्घाटनकर्ता 71 वीं बटालियन एसएसबी पीपराकोठी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार सिंह,शास्त्रीय संगीत संरक्षक प्रो.शोभाकांत चौधरी, लोकगायिका चमेली पाण्डेय, राम कथा वाचक डॉ.रामनिरंजन पाण्डेय और संस्था के निदेशक शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार सिंह ने कहा कि इस ढंग के सांस्कृतिक आयोजनों से जन रुचियों का परिष्कार होता है और संस्कृति अपनी जड़ों की ओर लौटती है। पं.छोटेलाल मिश्र संगीत कला महाविद्यालय द्वारा वर्ष 2024 का लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड कला और शास्त्रीय संगीत के संरक्षण के लिए प्रो.शोभाकान्त चौधरी को एवं लोक संगीत के संरक्षण के लिए चमेली पाण्डेय को दिया गया।विदित हो कि "वीणावादिनी संगीत संस्थान"के माध्यम से प्रो.चौधरी ने चंपारण में अनेक सांगीतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। चमेली पाण्डेय ने अपनी लोकगायिकी और आकाशवाणी से प्रसारणों द्वारा लोकसंगीत को समुचित गति प्रदान की। चमेली पाण्डेय को भी संस्था द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा गया। कजरी महोत्सव का श्रीगणेश पंडित छोटेलाल मिश्र संगीत कला महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से हुआ जिसकी प्रस्तुति में तनूजा,प्रीति,सलोनी,अनुष्का,चांद,सृष्टि अनन्या और सुप्रिया राज श्रीवास्तव का सराहनीय योगदान रहा। ठुमरी महोत्सव की शुरुआत दुर्गापुर(बंगाल)से पधारीं सुप्रसिद्ध गायिका काकली मुखर्जी के ठुमरी गायन से हुई।अपनी पहली प्रस्तुति उन्होंने राग मारु विहाग पर आधारित बंदिश "सांझ भई घर आ जा" से किया। जत ताल 16 मात्रा में निबद्ध इस बंदिश को श्रोताओं द्वारा अत्यंत सराहना मिली।इनकी दूसरी प्रस्तुति"अजहूं न आए हमारे सैयां, जिया नहीं माने, मैं का करूं गुइयां"बारहमासा से किया जिसमें नायिका द्वारा ऋतु परिवर्तन के साथ विरह के दर्द को बड़े सुंदर ढंग से बिखेरा गया।ताल दादरा में निबद्ध इस गीत की ऐसे सलीके से प्रस्तुत किया गया की श्रोता मदमस्त हो गए। मौके पर तबला वादक डॉ.रजनीश तिवारी, पं. ललित कुमार, सारंगी वादक पं.अनीस मिश्र, हारमोनियम वादक पं.राधेश्याम शर्मा, पंडित राघवेंद्र शर्मा ने अपनी-अपनी उंगलियों की जादू दिखाया। वहीं बनारस घराने की सुप्रसिद्ध गायिका डॉ. सुचरिता गुप्ता ने अपने ठुमरी गायन का आगाज़ होली पर आधारित" कौन तरह तुम खेलत होरी"राग सिंदूरा जत ताल तथा "कोई अचक लचक मोहन मूर्ति आवे रे"की प्रस्तुति पर लोग बाग झूम उठे। समस्त कार्यक्रम का भावपूर्ण संचालन एम.एस.कॉलेज के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने किया।

NEWS IN BRIEF

रक्सौल में नेपाली ई-रिक्शा व टेपू के प्रवेश पर लगी रोक

मोतिहारी। रक्सौल प्रशासन ने भारतीय सीमा में नेपाली ई रिक्शा व टेम्पू के प्रवेश को पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया है। जाम की समस्या को देखते हुए उक्त निर्णय लिया गया। भीषण जाम की समस्या से जुझते रक्सौल शहर को इससे निजात दिलाने को लेकर एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित ने उक्त आदेश जारी कर इसकी जिम्मेदारी नगर परिषद को सौपी है। एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित द्वारा जारी पत्र में नगरपरिषद को निर्देशित किया है,कि रक्सौल मैत्री पुल के नीचे एक खाली जगह चिन्हित कर नेपाली ई रिक्शा टेंपू व भारतीय ई रिक्शा व टेंपू वहां लगवाये ताकि दोनों तरफ से आने व जाने वाले लोगों को यात्रा में कोई परेशानी न हो।उन्होंने पत्र में कहा है,कि शहर में चलने वाले ई रिक्शा व टेंपू चालको से ड्राइविंग लाइसेंस का सख्ती से जांच हो और 18 वर्ष से कम आयु के चालको पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित किया जाय।साथ ही शहर के मुख्य सड़क व बाजार में सफेद रेखा बना कर सभी विक्रेताओं को रेखा से पीछे ही अपनी दुकान रखने का निर्देश दिया है। मेन बाजार में पार्किंग को लेकर हजारी मल हाई स्कूल व पोस्ट ऑफिस के समीप जगह चिन्हित किया गया है।

शिक्षको ने एडमिट कार्ड की प्रति को जलाया

मोतिहारी। जिले के आदापुर प्रखंड क्षेत्र के बीआरसी कार्यालय परिसर में रविवार को नियोजीत शिक्षको ने सक्षमता परीक्षा के एडमिटकार्ड को जलाकर विरोध किया गया।वही शिक्षको ने अपर सचिव केके पाठक मुर्दाबाद व शिक्षक एकता जिन्दाबाद का नारा लगाया गया।उक्त मौके पर शिक्षक नूरुलाह मिया,संतोष कुमार यादव,अरबिंद कुमार पाण्डेय,प्रभु पासवान,सलाउद्दीन,जावेद आलम आदि लोग थे।

रेलवे प्लेटफार्म से 59 बोतल ब्रांडेड विदेशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। रेल पुलिस ने सुगौली स्टेशन पर चेकिंग के दौरान दो यात्रियों को 59 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के पश्चिमी छोर पर चेकिंग के दौरान कोटवा थाना के वार्ड नम्बर 18 के सवैया निवासी कुणाल कुमार के पास से ब्लू रंग के ट्रॉली बैग में 750 एम एल 36 बोतल जॉनी वाकर,रेड लेबल ब्लॉन्डेड स्कॉच व्हिस्की बरामद किया गया। वहीं तुरकौलिया थाना क्षेत्र के मोहब्बत छपरा वार्ड 20 निवासी सोनू कुमार को लाल रंग के ट्रॉली बैग में 11 बोतल रॉयल स्टेग प्रीमियर व्हिस्की की 750 एम एल की 11 बोतल व ब्लेंडर प्राइड अल्ट्रा प्रीमियम व्हिस्की के साथ गिरफ्तार किया गया है।कुल मिला कर दोनों के पास से कुल 59 बोतल में 43.500 लिटर अवैध विदेशी शराब बरामद किया है।

गन्ना के खेत से अर्ध निर्मित पैंतीस सौ लीटर देशी शराब पुलिस ने बरामद की

बीएनएम@बगहा

बगहा। वाल्मीकि नगर पुलिस ने शराब और शराब कारोबारियों के विरुद्ध रविवार को विशेष अभियान चलाया। अभियान के क्रम में थाना क्षेत्र के धंगडहिया नारायणपुर के नजदीक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए गन्ना के खेत में बनाए जा रहे अर्ध निर्मित देशी शराब लगभग 3500 लीटर पास को बरामद कर घटना स्थल पर ही विनष्ट कर दिया है।शराब कारोबारियों के विरुद्ध वाल्मीकि नगर पुलिस की यह बहुत बड़ी सफलता मानी जा रही है।इस अभियान का नेतृत्व वाल्मीकि नगर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक महेश कुमार ने किया। इस सन्दर्भ में जानकारी देते हुए वाल्मीकि नगर थाना के थाना अध्यक्ष विजय कुमार राव ने बताया कि बगहा पुलिस जिला के कप्तान सुशांत कुमार सरोज के दिशा-निर्देश पर थाना क्षेत्र में शराब कारोबारी के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गन्ना के खेत में लगभग 3500 लीटर अर्ध निर्मित देशी शराब पास को जप्त कर विनष्ट कर दिया गया है। इस मामले में पुलिस संलिप्त कारोबारियों की तलाश में जुट गई है।संलिप्त कारोबारियों के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जायेगी। इस अवसर पर पुलिस अवर निरीक्षक सिंपी कुमारी पुलिस अवर निरीक्षक हरिश्चंद्र के अलावा अन्य पुलिस बल मौजूद रहें।

बिजधरी ओपी प्रभारी के नेतृत्व में किया गया सघन वाहन जाँच

बीएनएम@केसरिया

केसरिया। एसएच 74 मार्ग के बिजधरी ओपी के समीप रविवार को सघन वाहन जाँच किया गया। बिजधरी ओपी प्रभारी राजीव कुमार के नेतृत्व में किये गए इस कार्रवाई में करीब पाँच दर्जन से अधिक बाइक चालकों के आवश्यक कागजात की जाँच की गई। वहीं बिना हेलमेट सफर करने वाले बाइक चालकों को कड़ी हिदायत देकर छोड़ा गया। ओपी प्रभारी ने बताया कि अपराध नियंत्रण व सड़क सुरक्षा आदि को ध्यान में रखते हुए वाहन जाँच की गई। इस दौरान हेलमेट, आरसी, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन प्रदूषण फिटनेस आदि की जाँच की गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अभियान चलाकर सघन वाहन जाँच किया जाएगा। ज्ञात हो कि वर्षों से बंद पड़े बिजधरी ओपी का शुभारंभ विगत बुधवार को हुआ है। इस ओपी के शुरु होने के बाद यह पहली बार वाहन जाँच की गई है। जिससे बिना हेलमेट आदि के चलने वाले बाइक चालकों में खौफ है।

बागमती उड़ाही के मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन

बीएनएम@शिवहर

शिवहर: संघर्षशील युवा अधिकार मंच के तत्वावधान में किसान मैदान शिवहर बागमती उड़ाही के मुद्दे पर एकदिवसीय धरना प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया । जिसमें काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए । इस दौरान मंच अध्यक्ष आदित्य कुमार ने कहा कि प्रकृति, पर्यावरण और कृषि योग्य भूमि को बचाना जरुरी है, लेकिन सरकार और जिला प्रशासन द्वारा प्रकृति, पर्यावरण और कृषि योग्य भूमि, तीनो को नष्ट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके विरुद्ध मंच द्वारा उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करने की तैयारी की जा रही है। जल्द ही याचिका दायर किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जो किसान उच्च न्यायालय में इसके विरुद्ध रिट दायर करना चाहते हैं, मंच द्वारा उन्हें हर तरह से सहयोग दिया जाएगा।लड़ाई प्रकृति के साथ साथ पर्यावरण और कृषि योग्य भूमि को बचाने की है। जब बागमती की पुरानी और प्राकृतिक धार स्वतः बना हुआ है, तो इसे कम बजट में उड़ाही कर पुनर्जीवित किया जा सकता था। लेकिन, दुर्भाग्य है कि पुरानी और प्राकृतिक धार को छोड़कर निजी और कृषि योग्य भूमि में आर्टिफिशियल धार की उड़ाही की जा रही है जिससे प्रकृति, पर्यावरण और कृषि योग्य भूमि तीनो प्रभावित हो रहा है। कई हजार किसानों का निजी और कृषि योग्य भूमि इस धार में जा रहा है।ज्ञात हो कि जिस क्षेत्र में उड़ाही किया जा रहा है वो पूर्णतः कृषि योग्य भूमि है और उसपर किसानों द्वारा गेंहू का फसल भी लगाया गया है। लेकिन एजेंसी के पोकलेन, जीसीबी और ट्रैक्टर द्वारा किसानों के फसलों को रौंदते हुए धार उड़ाही का कार्य किया जा रहा है और इसपर क्षेत्र के तमाम जनप्रतिनिधि मौन है। चुनाव में जनता उनके मौन का सबक जरुर सिखलाएगी। मौके पर आदित्य कुमार,रवि वर्मा, अरविंद कुमार, प्रिंस कुमार, मुकुन्द प्रकाश मिश्र, सुमित सिंह, अभय कुमार सिंह, मो तमन्ना, आसिफ इकबाल राइडर राकेश, आफताब आलम, नूतन सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित हुए ।

बच्चों में बढ़ती ऑनलाइन शापिंग की आदत, कैसे कंट्रोल करें

स्नेहा सिंह

बच्चों की ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर मां-बाप बच्चों की छोटी उम्र से ही बचत की आदत डालते हुए पालें-पोसें तो आगे चल कर उनकी जिंदगी आसान बन जाएगी। पूर्वी, तुमने फिर से शापिंग की? मेरे एकाउंट से दो हजार रुपए कट गए हैं। मोना ने बेटी से पूछा। पूर्वी अभी भी फोन में शापिंग साइट्स सर्च कर रही थी। फोन में ही आंखे गड़ाए हुए उसने कहा, हां मॉम, कल की है, दो टीशर्ट खरीदी हैं। एक बेल्ट फ्री मिली है। और हां, एक जींस आज ली है। केवल 999 की।

अरे, पर तुम्हें पूछना तो चाहिए। मुझे आज लाइट बिल भरना है। अब कुछ मत खरीदना ऑनलाइन, खाते में थोड़े ही रुपए हैं। कालेज की फीस भी तो भरनी है। अभी फिल्म देखने या घूमने न जाओ तो ठीक रहेगा। जब तक कोरोना का नुकसान न पूरा हो जाए, ज्यादा पैसे मत खर्च करो। पैसा बचाना सीखो बेटा। देखो न, लाइट बिल ही तीन हजार रुपए आया है। जिस तरह एसी चलाती हो, उस तरह कोई एसी चलाता है।

इंटरनेट का भी खर्च थोड़ा कम करो। एक तो सागसब्जी कितनी महंगी हो गई है। भगवान न करे ऐसे में किसी की तबीयत खराब हो गई तो अस्पताल का खर्च फाइवस्टार होटल की तरह आता है। इसीलिए तो हमारे बड़े-बुजुर्ग कहते थे, 'जितनी चादर हो, उतना ही पैर फैलाओ।'

मोना ने पूर्वी को अपनी बात समझाने की बहुत कोशिश की कि उनकी बात बेटी के गले उतर जाए, पर पूर्वी की पिन तो मोबाइल की ऑनलाइन आकर्षक शापिंग पर ही चिपकी थी। अब इस बात में चादर कहां से आ गई? लेनी है क्या? देखो, यह कॉटन की चादर कितनी अच्छी है। आर्डर कर दूं? कलर कितना सुपर है।

न, नहीं चाहिए। वैसे भी फोटो में बहुत अच्छी लग रही है। पर आने पर रंग कुछ और ही निकलता है।

तो वापस कर देंगे।

पर बिना जरूरत के कोई भी चीज खरीदने की जरूरत ही क्या है? इस तरह रोज-रोज खरीदारी करने से तो खजाना ही लुट जाएगा। मम्मी एक काम कीजिए। पापा से कह कर मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। आप को बैलेंस देखने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी।

पूर्वी अपनी बात कह रही थी कि तभी उसके पापा रजनीश आ गए। उन्होंने कहा, बोलो... बोलो, मेरी राजकुमारी को क्या चाहिए? क्रेडिट कार्ड चाहिए पापा। मम्मी अपने एकाउंट से खर्च ही नहीं करने देतीं। मम्मी बहुत कंजूस है न पापा। मुझे क्रेडिट कार्ड दिला दीजिए। मैं ज्यादा शापिंग नहीं करूंगी। केवल कपड़ा और शूज बस?

पूर्वी को पता था कि उसकी मीठी-मीठी बातों में पापा आ ही जाएंगे। इसलिए उनके नजदीक जा कर प्यार से मस्का लगाने लगी।

पर पूर्वी मैं तुम्हें समझा रही हूं कि बिना जरूरत के शापिंग नहीं करनी है। मोना चिल्लाई।

करेगी... मेरी बेटी करेगी। मोना एक ही तो बेटी है। इसके तो शौक पूरे करने देना चाहिए न? रजनीश ने बेटी का पक्ष लेते हुए कहा। मोना ने कहा, अगर यह अभी से बचत करना नहीं सीखेगी तो पछताएगी। तुम ही इसे समझाओ। अलमारी भरी है। पैसा कमाने के लिए हम दोनों कितनी मेहनत करते हैं।

ठीक है। पर सब इसी के लिए तो है। बेटा, तुम्हारा क्रेडिट कार्ड कल बनवा देता हूं।

यस्स, अब तो मजा ही मजा। मम्मी, आप तो देखती ही रह गई। अब तो मैं खूब शापिंग करूंगी। कहते हुए पूर्वी खुशी के मारे घर से बाहर निकल गई। एक महीने बाद रजनीश ने देखा कि क्रेडिट कार्ड से पूर्वी ने दस हजार की शापिंग की थी। मोना ने कहा, इस तरह तो इस लड़की की शापिंग की लत लग जाएगी।

अब क्रेडिट कार्ड वापस लेना भी आसान नहीं था। क्रेडिट कार्ड वापस लेने पर पूर्वी को बुरा लग गया और उसने कोई गलत कदम उठा लिया तो? एकलौती बेटी को नाराज करना उचित नहीं था। इसलिए उन्होंने कोई

दूसरा उपाय अपनाने के बारे में सोचा।

रजनीश और मोना ने मिल कर एक व्यवस्थित प्लान बनाया। उन्होंने पूर्वी को बुलाया। पहले तो उसके द्वारा की गई शापिंग को देखा। तारीफ भी की। फिर एक-दो चीज के लिए पूछा भी, यह तो अपने पास थी न? यह टॉप महंगा नहीं लग रहा?

पर पूर्वी इस तरह उत्साह में थी कि उसे जरा भी पछतावा नहीं हुआ। यह देख कर रजनीश ने कहा, अगले महीने से हम तुम्हें एक ऑफर देने के बारे में सोच रहे हैं। मैं तुम्हारे खाते में पांच हजार रुपए जमा कराऊंगा। बस, पांच हजार? पूर्वी तुरंत बोल पड़ी। इसलिए मोना ने कहा, यहां ऐसे तमाम लोग हैं, जिनका इतना वेतन भी नहीं है बेटा। ऐसा मत बोलो, पांच हजार में तो पूरे महीने का राशन आ जाता है। रजनीश ने कहा, अरे सुनो तो सही, मैं तुम्हें पांच हजार दूंगा, इसमें से जितना तुम बचाओगी, उतना अगले महीने अधिक दूंगा। समझ लीजिए कि तुम ने चार हजार खर्च किए तो अगले महीने छह हजार मिलेंगे और बिलकुल न खर्च करूं तो दस हजार? हां, पर हर महीने तुम्हारी खर्च की लिमिट पांच हजार ही रहेगी। बाकी की बचत तुम्हारे खाते में जमा रहेगी। साल के अंत में उसमें से तुम्हारी पसंद की कोई चीज दिला देंगे। मोबाइल या फिर लैपटॉप?

कोई भी चीज जो तुम्हें पसंद होगी।

ओके डन। पूर्वी को यह अच्छा लगा। अगले महीने से स्कीम चालू हो गई। पूर्वी ने दो हजार बचाए। राज ने उस महीने हजार रुपए दिए। पूर्वी का उत्साह बढ़ता गया। उसकी बचत करने की आदत बनती गई और खर्च अपने आप घटता गया। आजकल ऑनलाइन शापिंग की आदत बड़ोंबड़ों का बजट बिगाड़ देती है। अगर सभी किसी न किसी तरह बचत का विकल्प अपनाएं तो खर्च अपने आप घट जाएगा और अगर ऑनलाइन शापिंग की आदत बढ़ती ही जाए तो खुद ही कार्ड जमा करा दें तो अच्छा रहेगा।

पहले मां-बाप खुद ही अपना फालतू का खर्च कम करें और बच्चों में कम उम्र से ही बचत की आदत डालें, जिससे उनकी जिंदगी आसान बन जाए।

पैसे बचाना कोई 'रॉकेट साइंस' नहीं, बस न करें ये गलतियां

जब भी हम लोन लेने की सोचते हैं, एक अहम सवाल हमारा पीछा करता है। वह है क्रेडिट स्कोर...। क्रेडिट इन्फोर्मेशन ब्यूरो (इंडिया) लिमिटेड (सिबिल) एक क्रेडिट रेटिंग फर्म है, जो 550 मिलियन से अधिक उपभोक्ताओं तथा संगठनों की क्रेडिट हिस्ट्री को मैनेज करती है। इसमें वित्तीय संस्थानों, एनबीएफसी, बैंकों एवं होम फाइनैंसिंग कंपनियों सहित 2400 से अधिक सदस्य शामिल हैं। यह ऋण लेने वाले की स्थिति का अनुमान लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अधिक सिबिल स्कोर होने पर व्यक्ति या संस्थान को लोन मिलने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं दूसरी ओर सिबिल स्कोर कम होने पर, अगर लोन मिल भी जाए तो भी ब्याज अधिक देना पड़ता है। सही तरीके अपनाकर आप अपनी क्रेडिट रेटिंग में सुधार ला सकते हैं।

समय पर चुकाएं ईएमआई: होम लेने लेते समय आप अलग-अलग होम लोन के बीच तुलना करें। देखें कि किसमें आपको ऑफर मिल रहे हैं या फायदा होता है। होम लोन के कई फायदे होते हैं। सबसे पहले तो आपको कर में फायदा मिलता है। सरकार होम लोन पर मूल राशि एवं ब्याज पर कर में छूट देती है। अगर आप दूसरे घर के लिए लोन ले रहे हैं तो आयकर की धारा 24बी के तहत होम लोन के ब्याज की पूरी राशि पर छूट मिलती है। इसके अलावा अन्य कई फायदे भी हैं।

हालांकि जब भी होम लोन लें, आप पूरी योजना बनाकर चलें कि आपको समय पर ईएमआई चुकानी है। सोच-समझ कर फैसला लें कि आपको कितना कर्ज लेना है। आप प्री-पेमेंट की योजना भी बनाकर चल सकते हैं। इसके लिए सही बजट बनाएं, उसी के हिसाब से प्रॉपर्टी ढूंढें, फिर विभिन्न बैंकों के लोन की तुलना करें। उसके बाद ही आवेदन करें।

कैसे सुधारें क्रेडिट स्कोर: आप जब भी ऋण लें, उसे चुकाने में अनुशासन बरतें। भुगतान के लिए रिमाइंडर लगाएं। अपनी क्रेडिट लिमिट सेट कर लें। अगर लोन रिजेक्ट हो जाए तो आवेदन न करें। क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान समय पर करें। एक समय में बहुत सारा लोन एक साथ न लें।

इंडेक्स फंड में निवेश: इंडैक्स फंड में निवेश करें। ये आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए फायदेमंद हैं।

खुलवा रहे हैं बच्चों का Bank Account तो ध्यान रखें

आज के समय में वित्तीय सेवाएं एक आयु वर्ग तक सीमित नहीं रह गई हैं। एक नाबालिग भी बड़ी आसानी से अपना बैंक अकाउंट रख सकता है और उसे ऑपरेट कर सकता है। 2014 के बाद से आरबीआई की ओर से 10 साल के अधिक के बच्चों को ये सुविधा दे गई है, जिसके बाद बच्चों के लिए खाता खुलवाना काफी आसान हो गया है।

बच्चों के लिए आईसीआईसीआई बैंक यंग स्टार्स अकाउंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पहला कदम और पहली उड़ान, एचडीएफसी बैंक किड्स एडवांटेज और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का युवा बैंकिंग खाता है लेकिन नाबालिगों का खाता खोलते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जिसके बारे में हम इस रिपोर्ट में बताने जा रहे हैं।

बच्चे की उम्र

ज्यादातर बैंकों में नाबालिगों के लिए दो प्रकार के खाते होते हैं। एक दस साल से कम के बच्चों के लिए और दूसरा 10 साल से 18 साल के बच्चों के लिए होता है। बड़ी बात यह है कि अगर बच्चा 10 साल से छोटा है, तो माता- पिता को उसके साथ संयुक्त रुप से संचालित करना होता है।

न्यूनतम बैलेस और बैंकिंग सुविधाएं

नाबालिगों को भी बैंक सभी प्रकार की सुविधाएं देते हैं। अधिकतर बैंकों में न्यूनतम बैलेस की सीमा 2500 रुपये से लेकर 5000 रुपये है। इसके अलावा इन खातों पर सभी प्रकार की बैंकिंग सुविधाएं दी जाती हैं, जिसमें चेक बुक, इंटरनेट बैंकिंग और एटीएम शामिल हैं।

डेबिट कार्ड

कुछ बैंक फोटो के साथ डेबिट कार्ड जारी करते हैं, जबकि कुछ बैंक के कार्ड पर माता-पिता या फिर बच्चे का नाम हो सकता है। सुनिश्चित करें कि खाते पर एसएमएस अलर्ट सुविधा सक्रिय है, जिससे लेनदेन की बारे में जानकारी तुरंत प्राप्त हो। इसके साथ ही बच्चे को यह दिखाने के लिए एटीएम तक ले जाएं कि पैसे सुरक्षित तरीके से कैसे निकाले जाएं।

खर्च करने की सीमा

नाबालिग खाते के साथ खर्च करने की सीमा भी जुड़ी होती है। हालांकि यह बैंक पर निर्भर करती है। आप बैंक की ओर से दी गई सीमा के मुताबिक 1000 रुपये, 2,500 रुपये और 5000 रुपये तक हो सकती है। बैंक से आप एक वित्त वर्ष में माता-पिता की सहमति के बिना 50,000 रुपये और सहमति के साथ 2 लाख रुपये निकाल सकते हैं।

अर्चना शर्मा कोटा, राजस्थान

कविता : ...वो दोस्ताना

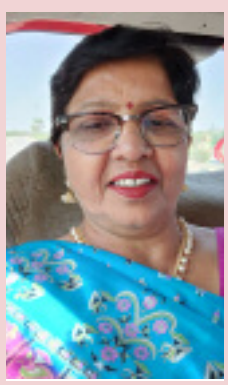

राह सुनसान,
पथरीले रास्ते,
कंटीली झाड़ियां,
घनघोर अंधेरा,
हाथ को नहीं
सूझता हाथ।।

अनजान मुसाफिर,
भयभीत मन,
धड़कता दिल,
फिसलता पांव,
गिरने से पहले ही
संभालते हाथों में
सच्ची दोस्ती का
आमंत्रण,
संभल कर,
स्वीकार कर
भाग्यशाली हो
मुस्कुराने लगी।।

मिल कर बिछुड़ गए
जैसे रात गई और
बात गई,
ऐसा दोस्त फिर
कभी मिला नहीं,
याद रहा बस
वो दोस्ताना ।।

विविधा

पुस्तक समीक्षा :स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा

कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है।कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है,कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है। कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं मेंऔरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वही दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूतीं है तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीति के समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक'अच्छी औरतें'और'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी,खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ माद्दा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार,स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ़्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफ़ूज़, शातिर, खफ़ीफ़, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, ज़ुम्बिश, शोख जर्द गुज़स्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है।' मुट्ठी में बंद वर्फ की मानिंद' तथा 'मुट्ठी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित'ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की ईंट साबित होगीं।

पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)
रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)
प्रथम संस्करण -2021
प्रकाशक बोधि प्रकाशन,जयपुर मूल्य- 175/-

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं,ऐसे में उसका क्या भला होगा,उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने के बारे में,अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है,वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा,फिर आपको उसे खोने से बचाना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा ? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर करते हैं,अर्थात विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना,अर्थात हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों,यहाँ पर जानने का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा,किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा,तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हें आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकट्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें,अपनी सामर्थ्य को जाने,फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना,क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिये प्रयास करते हैं,आत्म को जानने का अर्थात आत्मविश्वासी होने का।

नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी

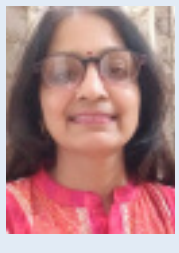

जब कभी..वह आदमी
बनना चाहता है
थोड़ा सा इंसान,
विरोध के स्वर
हो जातें हैं और भी प्रखर!!

जब कभी..वह आदमी
थोड़ा सा प्रेम चाहता है
समय की दीवारें
रचती हैं साजिशें!!

जब कभी..वह आदमी
चाहता है
थोड़ा सा एकांत,
एक शोर गूंजने लगता है
अंतस में!!

जब कभी..वह आदमी
लिखना चाहता है एक कविता
सिर्फ स्वयं के लिए,
अनपढ़ सी हो जाती हैं
सारी इच्छाएं!!

और..
जब कभी..वह आदमी
मसीहा कहलाता है
परिवर्तित हो जाता है चुपचाप
ईश्वर में!!

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ

मनु को कष्ट नहीं होना है
होगा प्रलय!
किंतु यह सच है,
सब कुछ नष्ट नहीं होना है।
प्रकृति हमारी प्राणदायिनी,
नहीं मरेगी,
आया हो कोई दुख अविहित,
स्वयं हरेगी,
होगा अनय!
किंतु यह सच है,
मन यह तष्ट नहीं होना है।
किसी भयानक डर,
अकाल से, नहीं डरेगी,
बुरे दिनों के,
हर हालत में,पेट भरेगी,
होगा डयन!
किंतु यह सच है,
पहिया भ्रष्ट नहीं होना है।
अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का,
एका होगा,
काम सभी झटपट निबटेंगे,
ठेका होगा,
होगा चयन!
किंतु यह सच है,
मनु को कष्ट नहीं होना है।

©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़

मुखौटा

सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने,सब्र को आजमाना छोड़ देती है!
साजिशें बुलंद होती हैं,जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!
रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!
हुकुमतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं!
मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं!
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाईयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरतीं हैं!
बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें,मूक तमाशबीन बनतीं हैं!
बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करतीं हैं!
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलतीं हैं!

व्यंग्य: आई लव मीडिया

अशोक व्यास

आई लव इण्डिया यहाँ तक तो ठीक है और हम सब इण्डिया को लव करते हैं यह भी सब जानते हैं लेकिन आई लव मीडिया का नारा कोई कैसे बुलंद कर सकता है? मीडिया को भी कोई लव करता है? कैसी बात कर रहे हैं आप हमारा तो मोटो है आई लव इंडिया और आप बीच में आई लव मीडिया कहां से ले आए. रुकिए, रुकिए मेरी बात ध्यान से सुनिए असल में क्या है कि हम भारतीय बहुत उत्सव प्रिय हैं यह बात तो पूरा विश्व जानता है और जब हम चोबीस गुणा तीन सौ पेंसठ दिन उत्सव मनाएंगे तब उसे दिखायेंगे ही नहीं तो क्या फायदा इतनी उछल कूद करने का. जब दिखाने की बात आती है तब हमें मीडिया की जरूरत होगी वही तो है जो सब कुछ दिखाता है, सुनाता है, बताता है, कुछ भी नहीं छुपाता।

मीडिया चाहे कोई भी हो प्रिंट मीडिया हो, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या सोशल मीडिया इतने सारे मीडिया हैं तब यह हाल है कि सब को दिखने दिखाने का समान अवसर नहीं मिल रहा है. सोचिए पुराने जमाने में क्या होता होगा, तब एक ही मीडिया काम करता था वह था मुख मीडिया, एक मुख से बात निकली और निकलकर एक से दो, दो से चार और चार से आठ मुख से निकलकर कानों तक पहुँच कर कई गुना होकर चारों दिशाओं में फ़ोकट में आपको सेलिब्रिटी बना देती थी. वैसे यह मीडिया आज भी बाकायदा सक्रियता से अपनी भूमिका निभा रहा है. इतने सारे मीडिया होने के बावजूद यही मीडिया है जो आपकी प्रशंसा या बुराई को आगे बढ़ाने का काम लगातार कर रहा है। हां इस मीडिया से प्यार के प्रसार के कारण इतना जरुर हुआ है कि हम बहुत सोशल होकर मुख मीडिया से मुखपोथी (फेसबुक) तक आ गए हैं. इसलिए अन्य मीडिया के साथ बहुत सारे सोशल मीडिया हो गए हैं. मीडिया का रोल पहले भी था, आज भी है, पहले भी हम उससे प्यार करते थे, आज भी हम उससे प्यार करते हैं, कोई स्वीकार नहीं करता है लेकिन में वाइरल विडियो की कसम खाकर कहता हूं आई लव मीडिया.

हम जीवन के किसी भी आश्रम में रहते हों मीडिया ही हमारे जीवन को आसरा दे रहा है नेता अभिनेता, खिलाडी, उपदेशक आदि को बिना मीडिया के जीवन निस्सार लगता है भले ही प्रवचन कर्ता संसार को माया मोह कहते रहें. सुबह उठ कर सच्चा भारतीय 'कराग्रे वसते लक्ष्मी' का मंत्र पढ़कर हथेली नहीं देखता बल्कि 'कर मध्ये मोबाइल' लेकर सोशल मीडिया का अपडेट देखता है.

मुझे याद है जब मैं छोटा था तब समाचार पत्रों में किसी बच्चे के गुमने की सूचना दी जाती थी उसका फोटो भी छपा रहता था जिसमें लिखा जाता था कि 'घर आ जाओ बेटा तुमसे कोई कुछ नहीं कहेगा' उससे प्रेरणा लेकर मैंने अपने पिताजी से कहा कि 'मेरा फोटो भी आपको अखबार में छपवाना पड़ेगा'. वह भोंहे चढ़ाकर कर कहने लगे' क्यों तुम क्या मेरिट में आये हो जो तुम्हारा फोटो अख़बार में छपाना पड़ेगा'।

बेचारे पिताजी, जैसे आज भोले होते हैं वैसे ही उस समय भी होते थे, पहले भी उन्हें कुछ अता-पता नहीं रहता था, बच्चों की भावनाओं को पहले भी नहीं समझते थे और आज भी समझ नहीं पाते हैं. मैंने उनके ज्ञान में वृद्धि करते हुए कहा-'जब मैं घर से भाग जाऊंगा, तब आप मेरा फोटो अखबार में छपवा देना, कम से कम इसी बहाने अखबार में मेरा फोटो तो आ जाएगा'. यह सुनकर उन्हें इतना गुस्सा आया कि उन्होंने मुझे घर से भगा भगा कर मारा और कहने लगे' खानदान की नाक कटवाने पर तुला है हमारे घर से आज तक कोई नहीं भागा और आप चले हैं भागकर नाम रोशन करने'.

उसके बाद टीवी के दौर में भी वही इतिहास दोहराया गया तब एक ही अपना प्यारा सरकारी दूरदर्शन होता था उसमें भी गुमशुदा की तलाश के लिए सूचना और फोटो आते थे तब मैंने अपनी पत्नी को सूचित किया कि ' टीवी में मेरा फोटो आ जाए, इसलिए मैं घर से गायब हो जाता हूं और तुम टीवी में मेरा फोटो भेज कर सूचना कर देना कि' तुम्हें कोई कुछ नहीं कहेगा तुम घर वापस आ जाओ'. पत्नी ने रिटर्न गिफ्ट के रूप में बच्चों को लेकर मायके जाने की धमकी दे दी थी, मैं घबरा गया लेकिन मीडिया से मोह नहीं छूटा. मैंने कोशिश की थी अपना फोटो चुपचाप भेज कर दूरदर्शन पर छा जाऊं लेकिन उस समय भी मेट्रो सिटी के लोगों को वहां प्रमुखता दी जाती थी। छोटे सिटी वालों के फोटो नहीं आते थे, इसलिए वह आईडिया मैंने कैंसिल कर दिया था .

कहते है संसार के आकर्षण से कोई नहीं बच सकता है देवता भी यहाँ आने के लिये तरसते हैं. लेकिन मीडिया के कारण इसका आकर्षण कई गुना बढ़ गया है यकीन ना हो तो बेबी बंप से लेकर बुड्ढे बुड्ढीयों के फोटो सोशल मीडिया पर देख लो. लगता है मीडिया ने हमारे जीवन में प्रवेश नहीं किया बल्कि हम मीडिया में प्रवेश कर गए हैं. तभी तो सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक के कार्यकलाप के फोटो सोशल मीडिया पर भरे पड़े है तभी तो रवि और कवि कहीं पहुंचे या ना पहुंचे लेकिन उसी तर्ज पर जहाँ ना पहुंचे दिवाकर वहां पहुंचे फोटोग्राफर की कहावत भी फ़ैल हो गई है. उसके लिये किसी को कहीं पहुँचाने की जरुरत नहीं है बस आपके हाथों में स्मार्ट फोन होना चाहिए और जहाँ चाहे वहां पहुँच कर चाहे तो जिन्दा प्रसारण भी कर सकते हैं तभी तो रियल लाइफ की रील बना बना कर सेलिब्रिटी बनने की होड़ लगी है.

हम जीवन के किसी भी आश्रम में रहते हों मीडिया ही हमारे जीवन को आसरा दे रहा है नेता अभिनेता, खिलाडी, उपदेशक आदि को बिना मीडिया के जीवन निस्सार लगता है भले ही प्रवचन कर्ता संसार को माया मोह कहते रहें. सुबह उठ कर सच्चा भारतीय 'कराग्रे वसते लक्ष्मी' का मंत्र पढ़कर हथेली नहीं देखता बल्कि 'कर मध्ये मोबाइल' लेकर सोशल मीडिया का अपडेट देखता है. लाइक के लालची का विडिओ वायरल हुआ कि नहीं, सब स्क्राइब का सहारा मिला कि नहीं, शेयर की सुनामी आई कि नहीं तब जाकर वह ऊपर वाले को याद करता है.

न्यूज अच्छी है या बुरी है इससे फर्क नहीं पड़ता है बल्कि पेड न्यूज और फेक न्यूज के फर्क ने सोशल मीडिया पर इतना भोकाल मचा रखा है कि पेड और फेक के चक्कर में असल न्यूज पीछे रह जाती है जैसे खोटे सिक्के असली को चलन से बाहर कर देते हैं. सोशल मीडिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तरह आपके जीवन को कितना प्रभावित कर रही है कि शादी विवाह जन्मदिन आदि समारोह और मरे गिरे की खबर इस पर डालते ही विषाणु से संक्रमित मेरा मतलब है वायरल हो जाती है संक्रमण का अर्थ वही है एक से दो, दो से चार इस तरह खबर फ़ैल जाती है ऐ आई की तरह मीडिया ने जीवन इतना आसान कर दिया है कि इधर कोई मरा नहीं कि उधर छुटभैया नेता से विश्व नेता तक ट्विट करके फारिग हो जाते हैं नहीं तो अपना ॐ शांति तो है ही ॐ शांति लिखो और छुट्टी पाओ. इतने सारे, इतने प्यारे, इतने न्यारे मीडिया से जो करे इंकार] उसका हो कैसे बेड़ापार.

महनाज़ नूरी 'माही', शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश

मुझे सब के सब यूं गले से लगाएं,
यह खुशबू सितारे यह पलकों के साए।।

यह दिलकश नजाऱे यह रंगी फिजाएं,
मोहब्बत के जुगनू बहारों के साए।।

मिटा ना सकेगा ज़माना यह मुझको,
मेरे सर पे मां की दुआओं के साए।।

सताएगा कैसे ग़म-ए- हिज्र उसको,
जिसे घेर लेते हों यादों के साए।।

मिलेगी हमेशा उसी को ही मंज़िल,
जो तूफां से कश्ती को खुद लेके आए ।।

हथेली पे जान अपनी लेकर चली हूं,
कहां तक कोई अपने सर को बचाए।।

यह 'माही' मां की दुआ का असर था,
की खुद मुझको तूफां किनारे पे लाए।।

लघु कथा: माँ

भगवती सक्सेना गौड़, बैंगलोर

जोर जोर से कोई दरवाजा खटखटा रहा था, नीता दौड़ कर गयी और खोला, देखा ट्विंकल खड़ी थी। वह बोली, आंटी बिजली नही है इसलिए जोर से धक्का देना पड़ा, सॉरी, कोई बात नही कहकर उसने गले लगा लिया, तुम बहुत प्यारी हो। ये सुनते ही ट्विंकल की आंखों में आंसू आ गए।

नीता अपने पड़ोस की भाभी रेणुका को बहुत पसंद करती थी, जो कैंसर से कई वर्ष जूझने के बाद पिछले वर्ष, ट्विंकल को छोड़ कर भगवान के पास जा चुकी थी।

आज ट्विंकल जोर जोर से रो रही थी, बहुत पूछने पर बताया, कुछ आंटी और अंकल आये थे, पापा का टीका किया, मिठाई दी और चले गए, घर मे सब बहुत खुश हैं।

मैंने पापा से पूछा, आज क्या है ? उन्होंने बताया, तुम्हारी दूसरी मम्मी आने वाली है।

आंटी, रोक लीजिये, मुझे दूसरी मम्मी नही चाहिए, उसी को सौतेली माँ कहते हैं ना।

मैंने टीवी में फिल्में देखी है, सौतेली माँ अच्छी नही होती, स्कूल में भी कहानियां सुनी है। घर मे दादी, चाची सब है, फिर इनकी क्या जरूरत है। मैंने मम्मी की प्यारी यादो के साथ जीना सीख लिया है।

नीता समझ नही पा रही थी, बच्ची को कैसे समझाए, उसे रेणुका उस घर का सब हाल बताती थी, बीमारी ने तो बाद में खत्म किया, सास और पति के व्यवहार ने पहले ही मार दिया था, इसलिए ट्विंकल के लिए वो बहुत चिंतित रहती थी। अभी साल भी पूरा नही हुआ था और लोग शादी करने के चक्कर मे थे।

आज उसके दिमाग मे अचानक एक विचार आया उसने ट्विंकल से कहा, तुम मुझे कितना प्यार करती हो जवाब मिला ढेर सारा और वो गले लग गयी।

अब बच्ची को लेकर वो उसके घर गयी और उसकी दादी से कहा, अगर बुरा न माने तो एक बात आपसे कहना चाहती हूं, आपकी ट्विंकल इतनी प्यारी है, और आप जानती हैं मेरा अपना कोई नही है।

मैके में लोग है पर उनके लिए मैं सिर्फ एक मेहमान ही हूँ, इस प्यारी सी बच्ची को मुझे दे दीजिए, मैं ट्रांसफर कराकर कहीं और चली जाऊंगी कानूनी रूप से इसे अपनी बेटी बनाउंगी।

दादी सोच में पड़ गयी फिर घर मे मशवरा लेकर बाद में बताते हैं, ये कहा। शाम को ही ट्विंकल खुशी खुशी आयी और बोली आज मैं बहुत खुश हूं, घर मे सबने कहा, कि आपके साथ कहीं घूमने जाना है। आपमे मुझे मेरी अपनी मम्मी का रूप दिखता है, आप बहुत अच्छी हैं।

नमिता गुप्ता 'मनसी' मेरठ, उत्तर प्रदेश

चलें प्रकृति की ओर

(1)
वो जो एक पौधा..
देख रहे हो न
सडक के बांयी ओर
उग आया है स्वतः ही ,
कभी थोड़ा कुचला गया
कदमों से,
फिर संभला,
कभी कुछ.. सूखा,
थोड़ा हरा हुआ,
बस यूं ही क्रम चलता रहा..
वह..
बीज बनता रहा बार-बार
और ,
बढाता रहा भागीदारी
अपने हिस्से की..
पर्यावरण सुधारने में !!

(2)
मकानों के जंगल में
घर कहीं गुम हैं,
इंसान चुप है
पर, शोर बहुत है
संवेदनाओं में,
गलियां सुनसान..
सडकें भरी हुई भीड से
और..
रास्तें हैं कि
भटका रहे हैं हमको !!

(3)
ये कुछ सूखे-कुछ हरे पेड
कब तक पहरा देंगें पर्यावरण का,
कब तक
संभाल सकेगें
मिट्टी को,
और..
कितनें बादल
बना पाएंगे ?
कभी तो सूख ही जाएंगे न ??

(4)
मेरी छोटी सी कोशिश
एक दिन..
बचा लेगी कुछ बूंदें
बारिश की,
छोटा सा
एक टुकड़ा बादल का,
कोई छोटी सी नदी..
या थोड़ा सा समुद्र..
तब,
तुम्हें भी कुछ करना होगा ?
भला एक छोटा सा बादल
बरसेगा कब तक ?
कब तक !!

पटना में हैं कई खूबसूरत और ऐतिहासिक जगहें

पटना शहर में पर्यटकों के घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। यहां संग्रहालय, पुस्तकालयों, विभिन्न धर्मों के पूजा स्थलों, पार्कों और स्मारकों, चिड़ियाघर और मनोरंजन पार्कों आदि में संरक्षित प्राचीन सभ्यता के अवशेष हैं। हम आज आपको बता रहें हैं की आप पटना में कहां कहां घूम सकते हैं। बिहार की राजधानी पटना ने अपने यात्रा की शुरुआत प्राचीन मगध साम्राज्य से की। पटना उस वक्त पटलीपुत्र के नाम से जाना जाता था। गंगा नदी के तट पर बसे इस खूबसूरत शहर ने देश की आजादी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पटना में दुनिया के प्रमुख धर्म जैसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख कई तीर्थस्थल हैं। इसके अलावा भी पटना में घूमने के लिए कई बेहतरीन जगहें हैं। परंतु पटना अभी भी पर्यटकों के बीच एक आकर्षण का केंद्र नहीं बन पाया है। ऐतिहासिक शहर पटना में देखने के लिए बहुत कुछ है।

बिहार संग्रहालय

बिहार के गौरवशाली अतीत को जानने के लिए अपनी यात्रा की शुरुआत आप बिहार संग्रहालय से कर सकते हैं। यहां प्राचीन इतिहास से लेकर मॉडर्न इतिहास तक आपको सब कुछ मिलेगा। यहां मगध का उदय और उसके बाद के राजवंश, मौर्य साम्राज्य से मुगल शासन तक, संग्रहालय यह सब प्रदर्शनी के माध्यम से समझाता है। पटना के बेली रोड पर स्थित यह संग्रहालय सोमवार को छोड़कर सभी दिनों में सुबह 10।30 से शाम 5 बजे के बीच खुला रहता है

गोल घर

पटना का यह मील का पत्थर मूल रूप से 1786 के आसपास बना था। इसे वर्ष 1770 के अकाल में अनुभव की गई भोजन की कमी के बाद सेना के लिए अनाज रखने के लिए बनाया गया था। मजदूरों को इस पर चढ़ने में आसानी हो इस वजह से इस पर सीढ़ियां भी बनायी गई थी। आज जिसका इस्तेमाल पटना को ऊंचाई से देखने के लिए किया जाता है।

बड़ी पटन देवी

बड़ी पटन देवी एक लोकप्रिय तीर्थस्थल है। यह देवी सती (पार्वती का एक अवतार) से जुड़ा है। यह पटना के सबसे बड़े मंदिरों में से एक है। सहर में देवी को समर्पित अन्य मंदिर भी मौजूद हैं।

पटना साहिब

सिख समुदाय के लिए पटना एक बहुत ही सम्मानित शहर है। यहां सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह का जन्म हुआ था। गुरु नानक और गुरु तेग बहादुर ने भी यहां का दौरा किया है। यहां से लगभग तीन किमी दूर गुरु की बाग है, जो गुरु तेग बहादुर की स्मृति से जुड़ा गुरुद्वारा है। पटना आए पर्यटकों को एक बार इन दोनों गुरुद्वारे जरूर जाना चाहिए।

महावीर मंदिर

पटना रेलवे स्टेशन पर संकटमोचन हनुमान को समर्पित यह भव्य मंदिर तीर्थ यात्रियों के लिए एक लोकप्रिय आकर्षण है। महावीर मंदिर में आपको अन्य देवी-देवता भी मिलेंगे।

कुम्हरार पार्क

पटना के केंद्र में स्थित कुम्हरार पार्क उस समय की याद दिलाता है जब पटना को पाटलिपुत्र और मगध की राजधानी के रूप में जाना जाता था। पुरातत्वविदों को यहां पुरानी संरचनाएं (जैसे कि एक असेंबली हॉल) और मिट्टी के बर्तन मिले हैं।

बुद्ध स्मृति पार्क

पटना के फ्रेज़र रोड पर स्थित पार्क में 200 फीट ऊंचा करुणा स्तूप बनाया गया है, जिसे भगवान बुद्ध की 2554 वीं जयंती के अवसर पर बनाया गया था। यह एक प्राकृतिक उद्यान से घिरा हुआ है। इस परिसर में नालंदा महाविहार की शैली में निर्मित एक ध्यान केंद्र, एक पुस्तकालय और एक संग्रहालय भी शामिल है।

खुदा बख्श ओरिएंटल लाइब्रेरी

खुदा बख्श लाइब्रेरी की शुरुआत एक निजी संग्रह के रूप में हुई थी। लेकिन यह धीरे-धीरे विभिन्न भाषाओं की लगभग 250,000 पुस्तकों के साथ एक भव्य पुस्तकालय के रूप में विकसित हो गया। इसमें पुरानी पांडुलिपियों का भी एक बड़ा संग्रह भी है। इसके अलावा यहां कुछ दुर्लभ कलाकृतियां भी मौजूद हैं।

गांधी संग्रहालय

पटना का गांधी संग्रहालय बड़े पैमाने पर महात्मा गांधी की बिहार यात्राओं और राज्य के साथ उनके संबंधों से संबंधित है

शहीद स्मारक

पुराने सचिवालय भवन के सामने स्थित शहीद स्मारक उन सात युवाओं के सम्मान में बनाया गया था, जिन्होंने भारतीय तिरंगा फहराने की हिम्मत की थी और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जिन्हें ब्रिटिश पुलिस द्वारा गोली मार दी गई थी।

सेंट मेरी चर्च

18वीं सदी में गॉथिक शैली में बनाए गए इस पुराने सेंट मेरी चर्च में कुछ बदलाव हुए हैं, लेकिन फिर भी इसे पटना का सबसे पुराना चर्च कहा जाता है। स्थानीय लोग इसे 'पादरी की हवेली' भी कहते हैं।

पत्थर की मस्जिद

ऐसा कहा जाता है कि सम्राट जहांगीर के बेटे परवेज शाह ने 17वीं शताब्दी में इस पत्थर की मस्जिद का निर्माण कराया था। गंगा नदी के तट पर स्थित इस मस्जिद का निर्माण उन्होंने उस वक्त करवाया था जब वह बिहार के राज्यपाल थे।

संजय गांधी जैविक उद्यान

संजय गांधी जैविक उद्यान यानि की पटना चिड़ियाघर यहां का एक लोकप्रिय आकर्षण है। वनस्पति उद्यान के रूप में शुरू हुए इस पार्क को बाद में एक जैविक पार्क में बदल दिया गया। यहां जानवर, मछली और सांप देखा जा सकता है। इसके अलावा भी मनोरंजन के कई साधन हैं।पटना और इसके आस पास के इलाकों में इन जगहों के अलावा भी घूमने के लिए कई खूबसूरत जगह हैं।

नेलपॉलिश लगाने के बाद सुखाना चाहते हैं जल्दी, आजमाएं ये तरीके

समय के साथ फैशन का अंदाज भी बदलता रहता हैं। लड़कियां अपने लुक में निखार लाने के लिए फैशन से जुड़ी कई चीजें अपनाती हैं जिनमें से एक हैं नेलपॉलिश। यह आपको नाखुनों को आकर्षक दिखाने के साथ ही बेहतरीन लुक देने का काम करती हैं। लेकिन कई बार देखने को मिलता है कि नेलपॉलिश सूखने में काफी समय लग जाता हैं जिसकी वजह से महिलाएं कुछ भी काम नहीं कर पाती हैं।

कई बार नेलपेंट गीली होने की वजह से फैल भी जाती हैं और डिजाईन बिगड़ जाती हैं। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं जिसे आजमाने के बाद नाखुनों की नेलपॉलिश झट से सूख जाएगी और नेलपेंट खराब भी नही होगी। आइये जानते हैं इन टिप्स के बारे में। नेल पॉलिश कितनी जल्दी सूखती है यह डिपेंड करता है कि आप किस तरीके से उसे लगाती हैं।

नेल पॉलिश को अगर कुछ दिनों के लिये छोड़ दिया जाए तो वह गाढी हो जाती है। इसलिये उसे लगाने से पहले उसमें थोडा.सा एसिटोन मिला दें जिससे वह हल्की हो जाए और फिर उसे लगाएं।

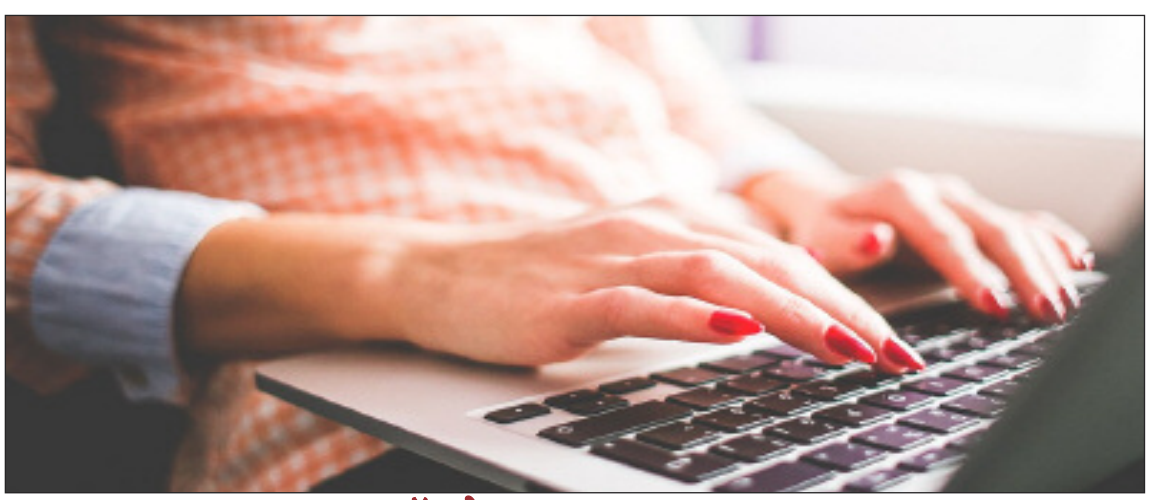

आप ठंडे पानी का इस्तेमाल करके नेल पेंट जल्दी से सुखा सकती हैं। जब भी आप नेल पॉलिश लगा रही हैं तो एक कटोरी में आइस वॉटर डालें। इसके बाद जब भी आप नेल पेंट दोनों नाखुनों पर लगा लें तो अपने हाथों को आइस वाटर में डूबोकर रखें। इससे नेलपेंट जल्दी सुख जाएगा।

टॉप कोट

अधिकतर लड़कियां टॉप कोट लगाना भूल जाती है। जबकि टॉप कोट एक जेल होता है और इसका टेक्सचर पतला होता है। इससे नेलपॉलिश कितनी भी कोट लगाई जाए ये जल्दी से सूख जाती है। टॉप कोट को हल्के गीले नेलपेंट के ऊपर लगाने से भी नेलपॉलिश खराब नहीं होती है और ये जल्दी सूख जाती है। नेलपॉलिश जल्दी सुखाना चाहते हैं तो ब्लो ड्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हांलाकि कुछ लड़कियां इस आईडिया को पसंद नहीं करती है, लेकिन अगर आप चाहें तो ब्लो ड्रायर से नाखुनों को सुखा सकती हैं। इसके लिए बस आपको ब्लो ड्रायर को मिनिमम सेंटिग पर रखना होगा जिससे ये हीट न करे और केवल हवा दे। जिससे नेलपेंट आसानी से सूख जाए। ड्राइंग ड्रॉप्स के जरिए आप ड्राइंग ड्रॉप्स का इस्तेमाल करके नेल पेंट सुखा सकते हैं। नेल पॉलिश लगाने के बाद इसे अपने नाखुन पर लगाएं। इससे भी नेल पेंट बहुत ही आसानी से सुख जाएगा। यह नाखुनों के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है।

बेबी ऑयल

आप बेबी ऑयल का इस्तेमाल नेल पेंट सुखाने के लिए कर सकते हैं। इसके अलावा आप ऑलिव ऑयल भी नेल पेंट को सुखाने के लिए प्रयोग कर सकते हैं। एक कटोरी में बेबी ऑयल डालें। इसके बाद इसमें अपनी उंगलियां डुबोकर रखें। इससे आपकी नेल पॉलिश जल्दी सुख जाएगी।

पतली कोटिंग

आपके नेलपेंट लगाने के तरीके पर भी यह निर्भर करता है कि नेलपेंट कितनी देर में सूखेगी। अगर आप नेलपेंट की थिक लेयर लगाती हैं तो उसे सूखने में काफी वक्त लगता है। कई बार तो इसमें घंटों भी लग जाते हैं। इसलिए सबसे अच्छा तरीका है कि आप नेलपेंट की थिन लेयर लगाएं।